SUPER TET SYLLABUS

1. सामान्य ज्ञान/समसामययक घटनाएँ/तार्किक ज्ञान

राष्ट्रीय और अंतरार्ष्ट्रीय महत्व की समसामययक घटनाएँ ।

- भारत का इयतहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन ।
- भारत का भूगोल ।
- भारतीय राजनीयत एवं शासन - संयवधान,राजनीयतक व्यवस्था,पंचायती राज,लोकनीयत,आयधकाररक प्रकरण आदद ।
- आर्थकि और सामायजक यवकास - सतत यवका,सगरीबी अन्तर्वष्टि जनसांययकी,यसामायजक के्षत्रके इयनयशयेरटव आदद।
- पयाविरण एवं पाररयस्थयतकी सम्बन्धी सामान्य यव,षयजैव यवयवधता एवं जलवायु ुपररवतनि ।
- सामान्य यवज्ञान ।
- Analogies, assertion and reason, binary logic, classification, clocks and calendars, coded inequalities coding - decoding.

प्रधानाध्यापक एवं ंसहायक अध्यापक हेतु ु

(खण्ड **'**क)

2. यहन्दी

- यहन्दी सायहत्य एवं भाषा का इयतहास ।
- व्याकरण ।
- अपरित गद्ांश तथा पद्ांश ।
- प्रमुख लेखकों/कयवयों का सामान्य पररचय एक उनकी रचनाएँ ।

3. English

- History of English Literature and Language.
- Grammar.
- Unseen Passage,
- Writers, general introduction and their work.

4. संसं्कृत

- संस्कृत भाषा एवं सायहत्य के इयतहास की जानकारी ।
- व्याकरण ।
- अपरित गद्ांश/पद्ांश ।
- प्रमुख लेखकों/कयवयों का सामान्य पररचय एक उनकी कृयतयाँ ।

(खण्ड 'ख')

5. सामायजक अध्ययन

- इयतहास जानने के स्रोत ।
- पाषाणकालीन संस्कृयत, ताम्र पाषायणक संस्कृयत, वैददक संस्कृयत ।
- छिी शताब्दी ई०पू० का भारत ।
- भारत के प्रारयम्भक राज्य ।
- भारत म ेंमौय िसाम्राज्य की स्थापना ।
- मौयोत्तरकालीन भारत, गुप्तकाल, राजपूत कालीन भारत, पुष्यभूयत वंश, दयक्षण भारत के राज्य ।
- छिी शताब्दी का धार्मकि तथा सामायजत यवकास ।
- इस्लाम का भारत म ेंआगमन, ददल्ली सल्तनत की स्थापना, यवस्तार, यवघटन ।
- मुगल साम्राज्य, संस्कृयत, पतन ।
- यूरोपीय शयियों का भारत म ेंआगमन एवं अंग्रेजी राज्य की स्थापना ।
- भारत म ेंकम्पनी राज्य का यवस्तार ।
- भारत म ेंनवजागरण, भारत में राष्ट्रवाद का उदय ।
- स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्रता प्रायप्त, भारत यवभाजन ।
- स्वतंत्र भारत की चुनौयतयाँ ।
- हम और हमारा समाज ।
- ग्रामीण एवं नगरीय समाज व रहन - सहन, ग्रामीण एवं नगरीय स्वशासन ।
- यजला प्रशासन ।
- हमारा संयवधान, केन्द्रीय व राज्य शासन व्यवस्था ।
- भारत म ेंलोकतंत्र ।
- देश की सुरक्षा एवं यवदेश नीयत, वैयिक समुदाय एवं भारत ।
- नागररक सुरक्षा, यातायात सुरक्षा ।
- ददव्यांगता ।
- सौरमण्डल म ेंपृथ्वी, ग्लोब - पृथ्वी पर स्थानों का यनधारिण, पथ्वी की गयतयाँ ।
- मानयचत्रण, पृथ्वी के चार पररमण्डल, स्थल मण्डल - पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप ।
- यवि म ेंभारत, भारत का भौयतक स्वरूप, मृदा, उवरिक का प्रयोग एवं महत्व, वनस्पयत एवं वन्य जीव, भारत की जलवायु, भारत के आर्थकि संसाधन, यातायात, व्यापार एवं संचार ।
- उत्तर प्रदेश भारत म ेंस्थान, राजनीयतक यवभाग, जलवायु, मृदा, वनस्पयत एवं वन्यजीव, कृयष, खयनज उद्ोग - धन्धे, जनसंयया एवं नगरीकरण ।
- वायुमण्डल, जलमण्डल ।
- संसार के प्रमुख प्राकृयतक प्रदेश एवं जनजीवन ।
- खयनज संसाधन, उद्ोग - धन्धे।
- भारतीय अथव्यिस्था एवं उसकी चुनौयतयाँ ।
- पयाविरण, प्राकृयतक संसाधन एवं उनकी उपयोयगता ।
- प्राकृयत संतुलन, संसाधनों का उपयोग ।
- जनसंयया वृयि का पयाविरण पर प्रभाव, पयाविरण प्रदूषण ।
- अपयशष्ट प्रबन्धन, आपदाएँ, पयाविरणयवद, पयाविरण के क्षेत्र म ेंपुरस्कार, पयाविरण ददवस, पयाविरण कैलेण्डर ।

(खण्ड 'ग')

6. गयणत

- प्राकृयतक संययाएँ, पूण िसंययाएँ, पररमेय संययाएँ ।
- पूणाकि, कोष्ठक लघुत्तम समापवत्य िएवं ंमहत्तम समापवतकि ।
- वगमिूल, घनमूल, सवसियमकाएँ ।
- बीजगयणत, अवधारणा - चर संययाएँ, अचर संययाएँ, चर संययाओं की घात ।
- बीजीय वं्यंजकों का जोड, घटाना. गणा एवं भाग, बीजीय वं्यंजकों के पद एवं ंपदों के गुणांक,सजातीय एवं ंयवजातीय पद, वं्यंजकों की यडग्री, एक, दो एवं यत्रपदीय वं्यंजकों की अवधारणा ।
- युगपत समीकरण, वग िसमीकरण, रेखीय समीकरण ।
- समान्तर रेखाएँ, चतुभजि की रचनाएँ, यत्रभुज ।
- वृत्त और चक्रीय चतुभिुज, वृत्त की स्पश िरेखाएँ ।
- अनुपात, समानुपात, प्रयतशतता, लाभ - हायन, साधारण ब्याज, चक्रवृयि ब्याज ।
- सांययकी - आंकडों का वगीकरण, यपक्टोग्राफ, माध्य, मायध्यका एवं बहुलक, बारम्बारता ।
- पाई एवं दण्ड चाटि, अवगीकृत आँकडों का यचत्र ।
- सम्भावना (प्राययकता) ग्राफ, दण्ड, आरेख तथा यमयित दण्ड आरेख ।
- कातीय तल, क्षेत्रयमयत (मेने्सुरेशन), घातांक, यत्रकोणयमयत ।

7. यवज्ञान

- दैयनक जीवन म ंेयवज्ञान, महत्वपूण िखोज, महत्य, मानव यवज्ञान एवं प्रौद्ोयगकी ।
- रेशे एवं वस्त्र, रेशों से वस्त्रों तक । (प्रदक्रया)
- सजीव, यनजीव पदाथि - जीव जगत, सजीवों का वगीकरण, जन्तु एवं वनस्पयत के आधार पर पौधों का वगीकरण एवं जन्तुओं का वगीकरण, जीवों म ंेअनुकूलन, जन्तुओं एवं पौधों म ंेपररवतनि । - जन्तु की संरचना व कायि ।
- सूक्ष्म जीव एवं उनका वगीकरण । - कोयशका से अंगतन्त्र तक ।
- दकशोरावस्था, यवकालांगता ।
- भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं रोग, फसल उत्पादन, नाइट्रोजन चक्र ।
- जन्तुओं म ंेपोषण, पौधों म ंेपोषण, जनन, लाभदायक पौधे। - जीवों म ंेिसन, उत्सजनि, लाभदायक जन्तु ।
- मापन, यवद्ुत धारा, चुम्बकत्व, गयत, बल एवं यंतं्र ।
- ऊजिा, ध्वयन, यस्थर यवद्ुत, प्रकाश एवं प्रकाश यंत्र ।
- वायु - गुण, संघटन, आवश्यकता, उपयोयगता, ओजोन परत, हररत गृह प्रभाव ।
- जल - आवश्यकता, उपयोयगता, स्रोत, गुणु, प्रदूषूण, जल - संरक्षण ।
- पदाथि, पदाथों के समूह, पदाथों का पृथक्करण, पदाथ िकी संरचना एवं प्रकृयत ।
- अम्ल, क्षार, लवण ।
- ऊष्मा एवं ताप ।
- मानव यनर्मति वस्तुएँ,ँ प्लायस्टक, काँच, साबुन, मृयतका ।
- खयनज एवं धातु, काबनि एवं ंउसके यौयगक ।
- ऊजा िके वैकयल्पक स्रोत ।
- आवत िसाररणी, रि की संरचना, वग िएवं रि के आदान - प्रदान म ें सावधायनया ।

8. शैयैक्षक प्रबन्धन एवं ंप्रशासन (प्रधानाध्यापक हेतु)ु

- यवद्ालय प्रबन्धन का अथ,ि आवश्यकता एवं महत्व ।
- यवद्ालय प्रबन्धन के क्ेषत्र ।
- भौयतक संसाधनों का प्रबन्धन (यवद्ालय भवन, फनीचर, शैयक्षक उपकरण, साज - सज्जा, पेयजल, शौचालय) ।
- मानवीय संसाधनों का प्रबन्धन (यशक्षक, बच्चे, समुदाय - ग्राम यशक्षा सयमयत, यवद्ालय प्रबन्धन सयमयत, यशक्षक अयभभावक संघ, मातृयशक्षक संघ, मयहला प्ेरेरक दल) ।
- यवत्तीय प्रबन्धन (यवद्ालय अनुदान, टी. एल. एम. ग्रान्ट, यवद्ालय को समुदाय से प्राप्त धन, यवद्ालय की सम्पयत्त से अर्जति धन, ग्राम पंचायत यनयध से/जनप्रयतयनयधयों से प्राप्त अनुदान) ।
- शैयक्षक प्रबन्धन (कक्षा - कक्ष प्रबन्धन, यशक्षण अयधगम सामग्री प्रबन्धन, लर्नगिं कॉनरि एवं पुस्तकालय प्रबन्धन, । समय प्रबन्धन : समय साररणी का यनमाण्ि प्रयोग ।
- यवद्ालय प्रबन्धन म ंेयवयभन्न अयभकर्मयिों की भूयमका ।
- प्रारयम्भक यशक्षा के यवकास में संलग्न यवयभन्न अयभकरण एवं उनकी भूयमका ।
- राष्ट्रीय/राज्य/यजला/स्थानीय स्तर पर काय ि करने वाले अयभकरण ।

- प्राथयमक यशक्षा का आधारभूत ढाँचा ।
- आपदा प्रबन्धन ।